St. Mary's Convent Inter College, Prayagraj
Preliminary Examination 2024 - 25

Time : 3hr. **Class- 10** **M.M. : 80**

HINDI

Name : ..... Roll No. ..... Date : .....

SECTION A

1. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिंदी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए। (15)

क- 'प्लास्टिक मुक्त भारत स्वच्छ भारत' इस अभियान को सफल बनाने हेतु सरकार के तथा अपने प्रयासों पर एक प्रस्ताव लिखिए।

ख-समाज में फैली समस्याओं में मँहगाई तथा जनसंख्या वृद्धि एक गंभीर समस्या है। इसके कारणों तथा दुष्परिणामों का उल्लेख करते हुए यह भी बताइए कि सरकार तथा जनता इससे मुक्त होने के लिए क्या-क्या प्रयास कर रही है? अपने विचारों को प्रस्ताव के रूप में लिखिए।

ग-भारत विविधताओं का देश है, यहाँ के प्रत्येक राज्य की अपनी ही विशेषताएँ हैं। विषय को ध्यान में रखते हुए किसी एक राज्य की यात्रा का वर्णन करें तथा वहाँ के खान-पान, रहन-सहन तथा प्राकृतिक-सौंदर्य को स्पष्ट करते हुए प्रस्ताव लिखिए।

घ- 'कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती' पंक्ति से आरम्भ करते हुए अपने जीवन से सम्बन्धित एक मौलिक कहानी लिखिए।

प्रश्न 2-निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए। (7)

क-आपके विद्यालय में कुछ अतिथि आए थे, जिनकी देखभाल की ज़िम्मेदारी आपको सौंपी गई थी। अपनी माताजी को पत्र लिखकर बताइए कि वे अतिथि विद्यालय में क्यों आए थे और आपने उनसे क्या सीखा ?

ख-किसी समाचार-पत्र के सम्पादक को पत्र लिखिए, जिसमें शहर में उद्योग-धन्धों की चिमनियों से निकलने वाले धुएँ एवं कोयले की राख की ओर अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराया गया हो।

प्रश्न 3. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उनके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर यथा सम्भव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए। (10)

एक रियासत थी। उसका नाम था कंचनगढ़। वहाँ बहुत गरीबी थी। लोग कमजोर थे और धरती में कुछ उगता न था। चारों ओर भुखमरी थी। एक दिन राजा कंचनदेव राज्य की दशा से चिंतित हो उठे। अचानक उनके पास एक साधु आए। राजा ने उन्हें प्रणाम किया। राजा ने साधु को अपने राज्य के बारे में बताया और कुछ उपाय करने की प्रार्थना की। साधु मुस्कुराकर बोले-"कंचनगढ़ के नीचे सोने की खान है।" इतना कहकर साधु चले गए।

राजा ने खुदाई करवाई। वहाँ सोने की खान निकली। राजा का खजाना सोने से भर गया। राजा ने अपने राज्य में जगह-जगह मुफ्त भोजनालय बनवाए, दवाखाने खुलवाए, चारागाह बनवाए तथा अन्य सुख-सुविधा के साधन उपलब्ध करा दिए। अब वहाँ कोई दुःखी नहीं था। सब लोग खुश थे। धीरे-धीरे लोग आलसी हो गए। कोई काम नहीं करता था। भोजन तक मुफ्त में मिलने लगा था। मंत्री ने राजा को बहुत समझाया और कहा- "महाराज, लोग आलसी होते जा रहे हैं। उनको काम दिया जाए।" परंतु राजा ने मंत्री की बात को टाल दिया।

कंचनगढ़ की समृद्धि को देखकर पड़ोसी रियासत के राजा को ईर्ष्या हुई। उसने अचानक कंचनगढ़ पर चढ़ाई कर दी और माँग की-"सोना दो या लड़ो।" कंचनगढ़ के आलसी लोगों ने राजा से कहा- "हमारे पास बहुत सोना है, कुछ दे दें। बेकार खून क्यों बहाया जाए?" राजा ने लोगों की बात मान ली और सोना दे दिया। कुछ दिनों बाद उसी पड़ोसी राजा ने कंचनगढ़ पर फिर चढ़ाई कर दी। इस बार उसका लालच और बढ़ गया था। इसी प्रकार उसने कई बार चढ़ाई कर-करके कंचनगढ़ से सोना ले लिया। यह सब देखकर राजा का मंत्री बहुत परेशान हो गया। वह राजा को समझाना चाहता था, किंतु राजा के सम्मुख कुछ बोलने की हिम्मत नहीं हो पा रही थी। अंत में उसने युक्ति से काम लिया। एक दिन मंत्री कंचनदेव को घुमाने के लिए नगर में पूर्व की ओर बने गुलाब के बाग की ओर ले गया। राजा कंचनदेव ने देखा कि बाग में दाने बिखरे पड़े हैं। कबूतर दाना चुग रहे हैं। थोड़ी दूर कुछ कबूतर मरे पड़े हैं। कुछ भी समझ में न आने पर राजा ने मरे हुए कबूतरों के बारे में मंत्री से पूछा।

मंत्री ने बताया- "महाराज, इन्हें शिकारी पक्षियों ने मारा है" राजा ने पूछा- "तो कबूतर भागते क्यों नहीं" "भागते हैं लेकिन लालच में फिर से आ जाते हैं, क्योंकि उनके लिए यहाँ, आपकी आज्ञा से दाना डाला जाता है। मंत्री ने बताया। राजा ने कहा-'दाना डलवाना बंद कर दो।" मंत्री ने वैसा ही किया। राजा अगले दिन फिर घूमने निकले। उन्होंने देखा कि दाना तो नहीं है, किंतु कबूतर आ-जा रहे हैं। राजा ने मंत्री से इसका कारण पूछा। मंत्री ने बताया- "महाराज, इन्हें बिना प्रयास के ही दाना मिल रहा था। यह अब दाने-चारे की तलाश की आदत भूल चुके हैं, आलसी हो गए हैं। शिकारी पक्षी इस बात को जानते हैं कि कबूतर तो यहीं आएँगेअतःवे इन्हें आसानी से मार डालते हैं।" राजा चिंता में पड़ गए। उन्होंने शाम को मंत्री को बुलाकर कहा- "नगर के सारे मुफ्त भोजनालय बंद करवा दो। जो मेहनत करें, वही खाए। लोग निकम्मे और आलसी होते जा रहे हैं। और हाँ, एक बात और। मैं अब शत्रु को सोना नहीं दूंगा, बल्कि उससे लड़ाई करूँगा। जाओ, सेना को मजबूत करो।" मंत्री राजा की बात सुनकर बहुत खुश हो गया।

(क) राजा कंचनदेव की चिंता का क्या कारण था ? उन्होंने साधु से क्या प्रार्थना की?
(ख) साधु ने राजा को क्या बताया? उसके बाद राजा ने राज्य के लिए क्या-क्या कार्य किए ?
(ग) पड़ोसी राजा के आक्रमण करने पर कंचनगढ़ का राजा क्या करता था और क्यों?
(घ) कबूतरों की दशा कैसी थी ? उस दशा को देखकर राजा ने क्या सीखा ?
(ङ) राजा ने मंत्री को क्या आदेश दिया? आदेश सुनकर मंत्री की क्या स्थिति हुई?

प्रश्न 4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए।

क-'आदि' शब्द का विलोम लिखिए। (1)

(a) आरंभ (b) इत्यादि (c) अंत. (d) श्री गणेश

EXPERTS' INSTITUTE

ख- 'अग्नि' शब्द का पर्यायवाची लिखिए- (1)

(a) अनल - अनिल (b) वासर पावन (c) पावक अनल (d) पवन पाहुना

ग- 'मीठा' शब्द की भाववाचक संज्ञा लिखिए- (1)

(a) मिठाई (b) चीनी (c) मिश्रित (d) मिठास

घ- 'श्रम' शब्द का विशेषण लिखिए - (1)

(a) श्रमिक (b) आश्रमिक (c) श्रममय। (d) श्रमण

ङ-'शोसण' का शुद्ध रूप लिखिए- (1)

(a) सोशण। (b) शोषण (c) सोषण। (d) षोसण

च -'पापड़ बेलना' मुहावरे का अर्थ लिखिए- (1)

(a) काम करना. (b) निश्चिंत होना (c) लज्जित होना (d)संघर्ष करना

छ-निर्गुण भक्ति के अनुसार ईश्वर का कोई आकार नहीं है।(रेखांकित वाक्यांश हेतु एक शब्द का प्रयोग कीजिए।) (1)

(a) निर्गुण भक्ति के अनुसार ईश्वर साकार है। (b) निर्गुण भक्ति के अनुसार ईश्वर निराकार है।

(c) निर्गुण भक्ति के अनुसार ईश्वर ओंकार है। (d) निर्गुण भक्ति के अनुसार ईश्वर निर्विकार है।

ज -'हमें तैरना नहीं आता । ('हमें' के स्थान पर 'हम' का प्रयोग कीजिए।) (1)

(a) हम तैरना नहीं सकता। (b) हम तैर नहीं सकते। (c) हम तैरना नहीं जानते। (d) हम तैर नहीं पाता।

SECTION B

Note - किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । प्रत्येक पुस्तक से एक प्रश्न करना अनिवार्य है ।

संक्षिप्त कहानियाँ

प्रश्न 5-"इसी नगरपालिका के किसी उत्साही बोर्ड या प्रशासनिक अधिकारी ने एक बार 'शहर' के मुख्य बाज़ार के मुख्य चौराहे पर नेता जी सुभाषचंद्रबोस की एक संगमरमर की प्रतिमा लगवा दी।" (10)

क-हालदार साहब को कहाँ से होकर गुज़रना पड़ता था तथा क्यों?
ख-हालदार साहब जहाँ से गुजरते थे, वहाँ का वर्णन करिए।
ग- नगरपालिका क्या-क्या करती थी?
घ- प्रतिमा किसने बनाई थी तथा क्यों? उसकी क्या विशेषता थी?

प्रश्न 6-"क्या ये बंदर पाल रखे हैं तूने?" फिर ज़रा हँसकर चित्रा बोली, 'एक दिन तेरी पाठशाला का चित्र बनाना होगा। लोगों को दिखाया करेंगे कि हमारी एक मित्र साहिबा थीं, जो बस्ती के चौकीदारों, नौकरों और चपरासियों के बच्चों को पढ़ा-पढ़ाकर ही अपने को भारी पंडिताइन और समाज-सेविका समझती थीं।" (10)

क- बंदर किसे तथा क्यों कहा जा रहा है? स्पष्ट कीजिए।

ख- चित्रा ने हँसकर क्या कहा?

ग- अरुणा समाज-सेवा किस प्रकार करती थी?

घ- प्रस्तुत कहानी के आधार पर अरुणा का चरित्र-चित्रण कीजिए।

प्रश्न 7-"अब यहीं देखिए न! मेरी तबियत भी ढीली ही रहती है। सोचा था विवाह के कपड़े दर्जी से सिलवा लूँगी।" (10)

क- किसकी तबीयत ढीली ही रहती है और क्यों?

ख- किसका विवाह होने जा रहा है? कपड़े सिलवाने कौन दर्जी के पास गया था? दर्जी ने उससे क्या कहकर इनकार कर दिया?

ग- श्यामलाकांत जी के परिवार में कितने सदस्य हैं? उनका परिचय दीजिए।

घ- लेखक ने इस निबंध में मुख्यतः किस बात पर ज़ोर दिया है?

एकांकी संचय

प्रश्न 8-चारणी, क्यों पश्चाताप से विकल प्राणों को तुम और दुखी करती हो? न जाने किस बुरी सायत में मैंने बूँदी को अपने अधीन करने का निश्चय लिया था। वीरसिंह की वीरता ने मेरे हृदय के द्वार खोल दिए हैं, मेरी आँखों पर से पर्दा हटा दिया है मैं देखता हूँ कि वीर जाति को अधीन करने की अभिलाषा करना पागलपन है।

क -महाराणा किसके शव के पास बैठकर क्षमा मांग रहे हैं तथा क्यों?

ख -चारणी महाराणा से क्या कहती है? महाराणा दुखी होकर क्या जवाब देते हैं ?

ग -महाराणा को अपनी विजय पर भी प्रसन्नता क्यों नहीं होती है तथा वे किसकी क्या प्रशंसा कर रहे हैं?

घ -इस संपूर्ण खेल का क्या परिणाम हुआ तथा किसको क्या सीख मिली?

प्रश्न-9 हर लड़की पहला सावन अपनी सखी-सहेलियों के साथ हंस-खेलकर बिताने का सपना देखती है।" (10)

क- प्रमोद कहाँ आया है? उसका वहाँ आने का उद्देश्य क्या है?

ख- पहला सावन किसका किसका है?वह कहाँ तथा किसके साथ मनाया जाता है?

ग- प्रमोद जीवनलाल से किस प्रकार बात कर रहा है उसकी क्या मजबूरी है?

घ- जीवनलाल बहू की विदा क्यों नहीं कर रहा था?

प्रश्न 10- पन्ना- नहीं, कुँवर! तुम कभी रात में अकेले नहीं जाओगे। चारों तरफ जहरीले सर्प घूम रहे हैं किसी समय भी तुम्हें डस सकते हैं। पन्ना तुम नहीं समझोगे, कुँवर। जाकर सो जाओ। थक गये होंगे। भोजन के लिए मैं जगा लूँगी। (10)

क-पन्ना कुँवर उदयसिंह को कहाँ जाने को मना कर रही थी? उसको क्या शंका थी?

ख-'सर्प' से प्रस्तुत प्रसंग में क्या तात्पर्य है? उदयसिंह 'सर्प' का तात्पर्य क्यों नहीं समझ पायेगा?

ग-उदयसिंह और पन्ना धाय का वास्तविक रिश्ता क्या है और पन्ना उसे कैसे निभा रही है?

घ-पन्ना धाय के चरित्र की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

EXPERTS' INSTITUTE